MEN		WOMEN

Model: Horoscope-Matching

SrNo: 112-123-101-1049 / 98 Date: 12/07/2026

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
1-02/04/2004	जन्म तिथि	10/02/2004
गुरु–शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 03:50:00	जन्म समय	23:30:00 घंटे
घटी 54:06:39	जन्म समय(घटी)	41:04:26 घटी
India	देश	India
Aliganj	स्थान	Janakpuri
28:35:00 उत्तर	अक्षांश	28:37:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:11:20	सूर्योदय	07:04:44
18:39:36	सूर्यास्त	18:07:15
23:54:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:41
मकर	लग्न	तुला
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
सिंह	राशि	कन्या
सूर्य	राशि–स्वामी	बुध
मघा	नक्षत्र	हस्त
केतु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	4
शूल	योग	शूल
बव	करण	कौलव
मी–मीत	जन्म नामाक्षर	ठ–ठुमकी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	श्वान

MEN WOMEN

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 5वर्ष 0मा 26दि		28:46:56	मक		लग्न		तुला	08:40:26	चन्द्र 1वर्ष 6मा 25दि	
शुक्र		18:36:28	मीन		सूर्य		मक	27:25:17	राहु	
28/04/2009		03:40:19	सिंह		चंद्र		कन्या	21:14:24	06/09/2012	
28/04/2029		13:31:14	वृष		मंगल		मेष	10:45:08	06/09/2030	
शुक्र	28/08/2012	06:36:17	मेष		बुध		मक	11:32:34	राहु	20/05/2015
सूर्य	28/08/2013	16:38:46	सिंह	व	गुरु	व	सिंह	22:48:52	गुरु	12/10/2017
चन्द्र	29/04/2015	04:28:37	वृष		शुक्र		मीन	08:31:46	शनि	18/08/2020
मंगल	28/06/2016	12:57:35	मिथु		शनि	व	मिथु	12:59:26	बुध	08/03/2023
राहु	29/06/2019	17:39:11	मेष	व	राहु	व	मेष	21:02:48	केतु	25/03/2024
गुरु	27/02/2022	17:39:11	तुला	व	केतु	व	तुला	21:02:48	शुक्र	26/03/2027
शनि	28/04/2025	11:02:37	कुंभ		हर्ष		कुंभ	08:13:22	सूर्य	18/02/2028
बुध	27/02/2028	20:55:26	मक		नेप		मक	19:16:22	चन्द्र	19/08/2029
केतु	28/04/2029	28:18:53	वृश्चि	व	प्लूटो		वृश्चि	27:49:52	मंगल	06/09/2030

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:54:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:41

लग्न–चलित

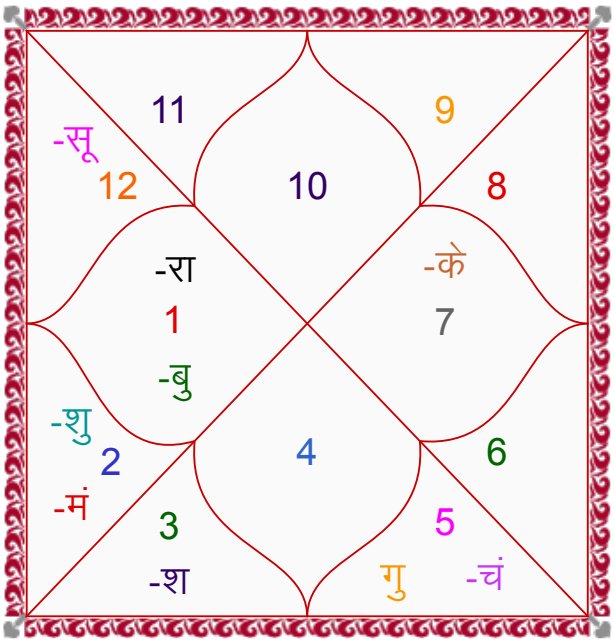

लग्न–चलित

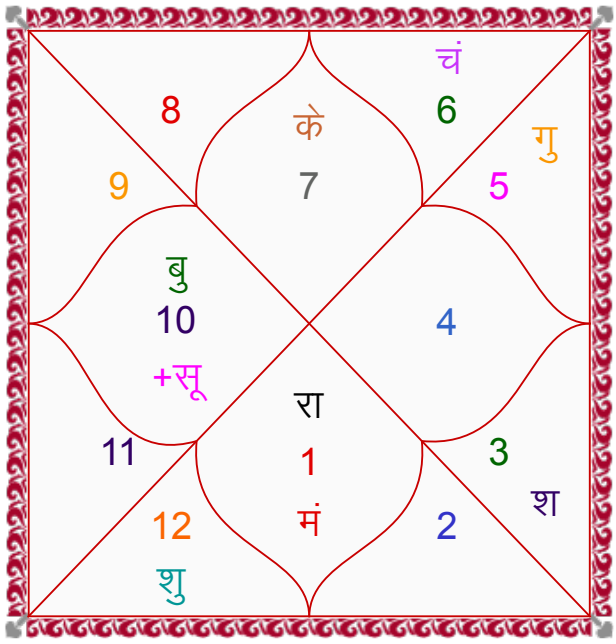

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	––	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	––	भाग्य
योनि	मूषक	महिष	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	––	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य / संतान
कुल :			**36**	**17.50**		

कुल : 17.5 / 36

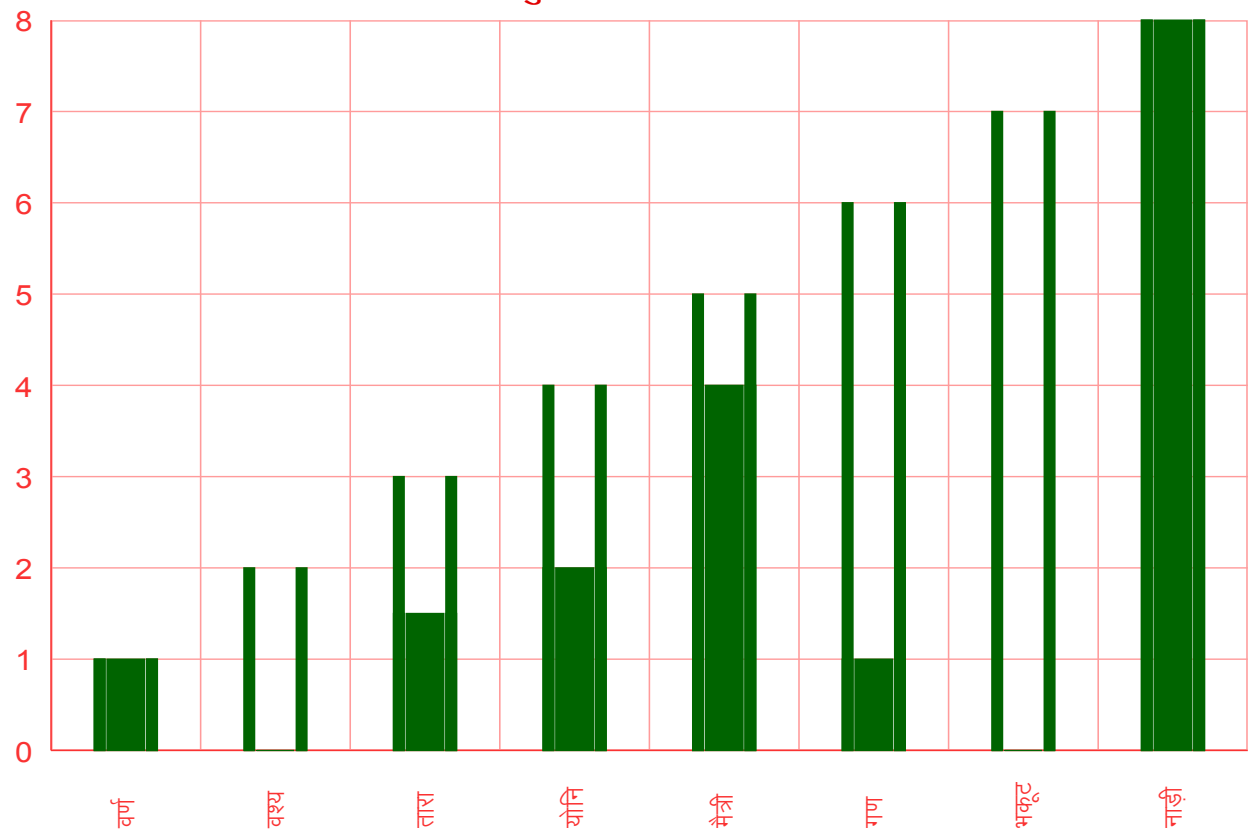

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

MEN का वर्ग मूषक है तथा WOMEN का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार MEN और WOMEN का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

MEN मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

WOMEN मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल WOMEN कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल–गुरु या मंगल–राहु या मंगल–चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु WOMEN कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि WOMEN कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि MEN कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

MEN तथा WOMEN में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

MEN का वर्ण क्षत्रिय तथा WOMEN का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश WOMEN आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही WOMEN की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

MEN का वश्य वनचर है एवं WOMEN का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक–दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। MEN और WOMEN के के बीच अक्सर आरोप–प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई–झगड़ा, एक–दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख–शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

MEN की तारा वध तथा WOMEN की तारा क्षेम है। MEN की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। MEN बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग–विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। MEN को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु WOMEN लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

MEN की योनि मूषक है तथा WOMEN की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात–बात में दोनों के

बीच में कभी कभी तर्क–वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय–समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति–पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार–चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद–विवाद में तर्क–वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय–समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में MEN का राशि स्वामी WOMEN के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि WOMEN का राशिस्वामी MEN के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

MEN का गण राक्षस तथा WOMEN का गण देव है। अर्थात WOMEN का गण MEN के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण MEN निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही MEN का WOMEN के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति–पत्नी, अक्सर कुत्ते–बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। WOMEN हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

MEN से WOMEN की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा WOMEN से MEN की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण MEN गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी

होंगे। WOMEN समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर MEN शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

MEN की नाड़ी अन्त्य है तथा WOMEN की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। MEN की अन्त्य नाड़ी तथा WOMEN की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय–समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

MEN की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह तथा WOMEN की राशि भूमितत्व युक्त कन्या है। पृथ्वी एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण MEN और WOMEN की स्वभाव में असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबधों में मधुरता का अभाव होगा तथा मतभेद एवं विरोध का भाव बना रहेगा। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

MEN की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा WOMEN की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से आप यत्नपूर्वक स्वभावगत मतभेदों को दूर करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा किंचित मात्रा में सुख के क्षण प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। ये दोनो एक दूसरे के प्रति समर्पण सम्मान एवं सहयोग के भाव को प्रदर्शित करेंगे।

MEN और WOMEN की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से MEN और WOMEN के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव उत्पन्न होगा तथा यदा कदा MEN के उग्रता के कारण पारिवारिक शांति भंग होगी। साथ ही MEN और WOMEN दोनों के मन में श्रेष्ठता की भावना का प्रादुर्भाव होगा फलतः संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। यदि MEN और WOMEN सहनशीलता एवं बुद्धिमता से कार्य ले तो इसमें सफलता की आशा की जा सकती है।

MEN का वश्य वनचर तथा WOMEN का वश्य मानव है। इन दोनों के मध्य नैसर्गिक भिन्नता तथा शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा। साथ ही मानसिक शारीरिक तथा भावनात्मक स्तर पर भिन्नता रहेगी तथा दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

MEN का वर्ण क्षत्रिय तथा WOMEN का वर्ण वैश्य है। अतः MEN साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगे जबकि WOMEN की प्रवृति धनार्जन के प्रति रहेगी एवं व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलापों को सम्पन्न करके आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करेंगी।

धन

MEN और WOMEN की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया MEN और WOMEN समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से WOMEN की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही MEN भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए MEN और WOMEN को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

MEN का जन्म अन्त्य तथा WOMEN का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव MEN को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से MEN हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए MEN को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से MEN और WOMEN का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त MEN और WOMEN के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में WOMEN के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन WOMEN को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में WOMEN को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से MEN और WOMEN सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार MEN और WOMEN का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल–सुश्री

WOMEN के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद WOMEN अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर

सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से WOMEN पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि WOMEN अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल–श्री

MEN के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्वांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि MEN तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से MEN के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।